

सहेली



आमतौर पर महिलाएं चाहे वर्किंग हों या होममेकर, खुद के लिए समय नहीं निकाल पातीं। पति, बच्चे, सास-ससुर की देखभाल, उनकी डिमांड पूरी करने और घर-बाहर की जिम्मेदारियों को निभाते हुए उन्हें अपने लिए कुछ करने की जरूरत ही महसूस नहीं होती है। जबकि सच्चाई यह है कि मी टाइम खुद को खुश रखने का जरिया होता है और दूसरों को खुश रखने के साथ खुद को खुश रखना भी जरूरी होता है।

बिजी रूटीन में भी जरूर निकालें मी टाइम

लाइफस्टाइल चेतना झा

आपकी अपनी सहेली नीलम से फोन पर बात कर रही थी। उसे लगा कि नीलम कुछ सुस्त है। उसने पूछा, 'नीलम तू बीमार है क्या?' इस पर नीलम बोली, 'नहीं यार, सुबह से शाम तक इतना काम रहता है कि शाम तक लो फील होने लगता है।' आयुषी ने सलाह दी, 'तू कुछ देर सुबह या शाम 'मी टाइम' में एक्सरसाइज या मेडिटेशन किया कर या अपनी हॉबी पूरी किया कर, इससे फ्रेश-एनर्जेटिक फील करेगी।' इस पर नीलम ने मायूसी से कहा, 'सुबह सांस लेने की तो फुर्सत नहीं मिलती। रात का ब्रेकफास्ट बनाना, अपना और इनका (पति) लंच रेडी करना। जल्दी-जल्दी काम निपटाना फिर ऑफिस के लिए भागना। शाम को फिर रात को होमवर्क करना, पॉइंट काम करना, डिनर बनाना कैसे मिलेगा मी टाइम?' ये बातें आपको भी अपनी सी ही लग रही होंगी। जब, घर के काम, बच्चे की पढ़ाई, घर-बाहर की जिम्मेदारियां, सुबह आंख खुलने से रात बेड पर सोने तक इन्हीं सब में तो उलझी रह जाती हैं आप। डेड लाइन, टागेट, अचीवमेंट, घर की व्यवस्था, बच्चों की परीक्षाएं, उनका करियर, परिजनों की हेल्थ, इन सबके बीच कहीं आपका अपना कुछ छूट तो नहीं रहा। कभी एकांत के पलों में पछिछ-खुद से कि पूरे दिन, सप्ताह या महीने में कितना पल होता है आपका 'मी टाइम?' कब आप बिताती हैं फुर्सत के पल केवल अपने लिए? कितनी बार आप कर पाती हैं अपनी पसंद का काम, जिससे मिलती है आपको खुशी, संतुष्टि?



क्या है मी टाइम: वास्तव में मी टाइम हमारा रिचार्जर है। हमारी बैटरी को रिचार्ज करता है। एक खुली हवादार खिड़की की तरह होता है मी टाइम, जो भीतर की थकान और डलनेस को बाहर निकाल हमें ताजगी से भर देता है। जिम्मेदारियों में उलझे हमारे वजुद पर से धूल झाड़ हमारी ही मुलाकात हमसे कराता है। फायदे हैं कई: मनोवैज्ञानिक भी मी टाइम को मानसिक स्वास्थ्य और रिश्तों के लिए काफी लाभदायक मानते हैं। एक्सपर्ट्स का मानना है कि इससे हम खुद को लेकर किसी उधेड़बुन से मुक्त

रहते हैं। यह हमारे दिमाग को तरोताजा करता है। मनोवैज्ञानिक सुप्रिया गोयल कहती हैं, 'इससे एकाग्रता बढ़ती है। हम अधिक तार्किक बनते हैं। घर-बाहर बेहतर तरीके से समायोजित हो पाते हैं। खुश रहते हैं और हमारे भीतर सकारात्मक ऊर्जा का भरपूर प्रवाह होता है।' क्या कहती है रिसर्च: अमेरिका स्थित मिशिगन यूनिवर्सिटी की एक रिसर्च रिपोर्ट को माने तो विवाहित जीवन की असफलता में मी टाइम या प्राइव्सी में कमी की भूमिका सेक्स संबंध से भी बड़ी होती है। इसी शोध के मुताबिक 29 प्रतिशत कपल्स ने शिकायत दर्ज की कि उनके जीवन साथी की ओर से उन्हें पर्याप्त मी टाइम या प्राइव्सी नहीं दी जाती। यूनिवर्सिटी शोध में तो यह भी जाहिर हुआ कि मी टाइम निकालने में पुरुषों की हिस्सेदारी अधिक है।



काम से पहले मी टाइम जीकर, रिचार्ज हो जाएं। मोबाइल, टीवी जैसे गैजेट्स से दूरी बनाना भी मी टाइम के लिए जरूरी है। मी टाइम के लिए किसी तरह की हिचक या अपराध भाव नहीं पालें। जरूरत पड़े तो घर में सबको बता भी दें कि आप अपने लिए जरूरी काम कर रही हैं, इसलिए इस दौरान कोई आपको डिस्टर्ब न करे। इस तरह जब आप सीरियसली मी टाइम निकालेंगी तो आपको न केवल खुशी, संतुष्टि मिलेगी बल्कि आप अपने सभी काम बेहतर ढंग से अंजाम भी दे पाएंगी।

मी टाइम में करें कुछ ऐसा

कुछ महिलाएं पूछती हैं, मी टाइम में हम करें तो क्या करें? इस सवाल का जवाब तो आपका दिल ही बेहतर बता सकता है। ईमानदारी से दिल की सुनें तो आपको जवाब मिलेगा कि इस दौरान आप क्या कर सकती हैं? मी टाइम पर अपनी किताब 'टाइम फॉर मी-365 डेली स्ट्रेटजीस फॉर अ मदर्न सेल्फ केयर' की राइट कर लिया रेडरिक ने कई सुझाव दिए हैं। रेडरिक के मुताबिक, 'जब आप अपने बच्चों के लिए हेल्दी नाश्ता तैयार करती हैं, तब खुद के लिए भी कुछ हेल्दी स्नेक्स तैयार करना या पैक करना आपका मी टाइम है। बेटी को क्लासिकल डांस सीखाने लें जा रही हैं तो क्लास खत्म होने के इंतजार की बजाय खुद भी अपने फेवरेट डांस के स्टेप सीख लें, तो यह आपका खुद का पल होगा। फेवरेट नॉटेल पढ़ना, पसंदीदा गाना सुनना, मेकअप पलटाना, टीवी देखना, वर्कआउट करना या सहेलियों से बातचीत करना भी इसमें शामिल हो सकता है। पालर जाना, डायरी लिखना या कहीं घूमने जाना... यह तो आपको ही तय करना होगा कि आप अपने मी टाइम में क्या करना चाहेंगी?'



बच्चों को ऐसे सिखाएं गुड मैनेर्स

बच्चों से हम बहुत उम्मीद करते हैं कि उनके भीतर गुड मैनेर्स हों, लेकिन इसके लिए हम बच्चों के सामने कैसे आदर्श रखते हैं, उनको किस तरह से ट्रेट करते हैं? साथ ही हमारा व्यवहार उनके प्रति कैसा होता है, ये बातें बच्चों को संस्कारवान बनाने के लिए बहुत मायने रखती हैं।

बच्चे और आप अंजू जैन

हर पैरेंट की चाहत होती है, उसका बच्चा एक शिष्ट, जिम्मेदार, समझदार और कामयाब इंसान बने। इसके लिए बच्चों को अच्छी आदतें सिखाना जितना आसान है, उतना ही कठिन भी है। अगर आप सही तरीका अपनाएं तो बच्चों को आसानी से अच्छे मैनेर्स सिखा सकते हैं, उनका व्यक्तित्व प्रभावशाली बना सकती हैं। इसके लिए आपको कुछ बातों का ध्यान रखना होगा- बच्चों से गर्म जोशी से मिलें: जब भी आपका बच्चा स्कूल से लौटे या स्कूल जा रहा हो या फिर आप बाहर से घर आई हों तो उससे गर्मजोशी के साथ मिलें। अपने चेहरे पर मुस्कान लिए उसे हग करें, उसका मूड जानें, उसके मन की सुनें। दिन की शुरुआत और अंत उसे पुचकार कर करें। इससे बच्चे से आपकी बॉन्डिंग बढ़ेगी, उसे लगेगा कि वह आपके लिए कितना महत्वपूर्ण है। उसके मन में आपके लिए प्यार उमड़ेगा। लोगों के प्रति सहानुभूति रखें: माता-पिता बच्चों को जो बातें कह कर नहीं समझा सकते या सिखा सकते हैं, वे बातें उनके रोल मॉडल बनकर सिखा सकते हैं। बच्चों में सहानुभूति, दया, विनम्रता का भाव जगाना हो तो उन्हें पहले नरमदिल और मददगार स्वभाव का बनाना होगा। इसके लिए आप उनके सामने अपने पड़ोसियों, रिश्तेदारों, घर में आने वाले सेल्समैन या फिर रिक्शा चालकों और कैब ड्राइवर के साथ नरमी से पेश आए। जरूरतमंद की मदद करें, यह देखकर बच्चे में दूसरे की मदद करने की प्रेरणा जागेगी। अभद्र भाषा में चीख कर या रौब झाड़ने वाले अंदाज में बातें बच्चों के सामने तो बिल्कुल ना करें। यह देखकर बच्चे भी इसी तरह पेश आते हैं, जो



असभ्य तरीका है। घर के बुजुर्गों के साथ जोड़ें: अगर घर में आपके साथ सास-ससुर यानी बच्चों के दादा-दादी या नाना-नानी भी रहते हैं या वे आए हुए हैं, तो बच्चों को उनके साथ खेलने, रहने, टाइम बिताने और बातें करने के लिए प्रेरित करें। इससे न सिर्फ ग्रैंडपैरेंट्स को बल्कि बच्चों को भी अच्छा लगेगा। इतना ही नहीं, बच्चों में परिजनों से जुड़ने की भावना भी आएगी, वे अपने दादा-दादी और नाना-नानी से काफी कुछ सीखेंगे।

कहानी-कविता पढ़ कर सुनाएं: बच्चों को कहानी और कविताओं से काफी एंटरटेन किया जा सकता है। आप रोज वीस-पचीस मिनट के लिए उनके साथ बैठें, उन्हें कोई कहानी या कविता पढ़कर सुनाएं। फिर उसके बारे में कुछ सवाल पूछें। इससे बच्चों की पढ़ने में रुचि जागेगी, जनरल नॉलेज बढ़ेगी और साथ ही आप दोनों एक-दूसरे के साथ क्वालिटी टाइम भी स्पेंड कर सकेंगे।

रूटीन फॉलो करना सिखाएं: अनुशासन और समय प्रबंधन किसी भी व्यक्ति को जिंदगी में सफलता और सुकून के लिए बहुत जरूरी हैं। शुरू से ही बच्चों को रूटीन फॉलो करना सिखाएं। आप उनके लिए एक दिन पहले ही अगले दिन का रूटीन सेट कर दें। उन्हें बताएं कि किस वक्त उन्हें क्या करना है। साथ ही आप भी अपने रूटीन फॉलो करें और उन्हें बताएं कि आप कैसे नियत समय पर हर काम कर रही हैं।

हेयर केयर

ललिता गोयल

हेयर कलरिंग का ट्रेंड सालों से चल रहा है। अब तो हर उम्र की महिलाएं, लड़कियां बालों को अलग लुक देने के लिए हेयर कलरिंग करा रही हैं। लेकिन बालों को कलर कराने के बाद कुछ जरूरी बातों का ख्याल भी रखना जरूरी है, नहीं तो बाल डैमेज हो सकते हैं। जानते हैं हेयर केयर के बारे में, जिससे बाल खराब नहीं होंगे और आपके बालों की नेचुरल शाइन भी बनी रहेगी। सही कलर चुनें: ध्यान रखें, कलरिंग के लिए हेयर कलर अच्छी क्वालिटी का हो। कलर मॉयश्चराइजर बेस्ट हो, जिससे बालों को डैमेज होने से बचाया जा सके। कलरिंग का तरीका: केमिकल बेस्ट हेयर कलर बालों को अलग-अलग तरीके से नुकसान पहुंचा सकते हैं। ये जड़ों को भी डैमेज कर सकते हैं, जिससे हेयर फॉल की समस्या शुरू हो सकती है। इससे बचने के लिए ध्यान रखें कि आप जड़ों के बजाय हेयर स्ट्रैंड्स को कलर करें।

आजकल काफी महिलाएं बालों में कलर करवाना पसंद करती हैं। लेकिन कलर बालों की केयर कैसे करनी चाहिए, इस बारे में कम ही लोग जानते हैं। इससे बालों में रफनेस बढ़ती है। कलरिंग के बाद कैसे करें हेयर केयर, जानिए।

कलरिंग के बाद हेयर केयर बाल दिखेंगे हेल्दी-शाइनी

ऑयलिंग का तरीका बदलें: कुछ लोग ऐसा मानते हैं कि कलर करने के बाद बालों पर तेल नहीं लगाना चाहिए। जबकि यह सोचना गलत है, तेल आपके बालों को पोषण देने के साथ-साथ कंडीशनिंग भी करता है, इसलिए ऑयलिंग जरूर करें। लेकिन इसका तरीका बदल दें। इसके लिए कलरिंग के बाद तेल रात-भर लगाए रखने के बजाय दो या तीन घंटे के लिए लगाकर रखें। इसके बाद हेयर वॉश कर लें।

सूरज की किरणों से बचाएं: सूरज की हानिकारक किरणें बालों को डैमेज करने का कारण बन सकती हैं। अगर आपने हेयर कलर कराया है, तो धूप में जाने से पहले बालों में सनस्क्रीन स्प्रे करना न भूलें।



हीटिंग टूल्स इस्तेमाल न करें: बालों को कलर करने के तुरंत बाद हीटिंग टूल्स जैसे ब्लो ड्रायर का इस्तेमाल ना करें, क्योंकि इससे बाल ड्राई होते हैं, बालों से मॉयश्चर कम

होता है और बालों का रंग बिल्कुल गायब हो जाता है। अगर ब्लो ड्राई करना जरूरी हो तो कम से कम 5 सेमी. की दूरी से ब्लो ड्राई करें। साथ ही हीटिंग टूल्स का इस्तेमाल करते समय बालों पर हीट प्रोटेक्टर सीरम जरूर अप्लाई करें। इन बातों का भी रखें ध्यान: हेयर कलरिंग के बाद कुछ और बातों का ध्यान रखना जरूरी है।

बालों को धोने के लिए कलर प्रोटेक्टेंट सल्फर फ्री शैंपू अप्लाई करें। कलर प्रोटेक्टेंट शैंपू से बालों में कलर लॉक हो जाता है। शैंपू के बाद आप बालों की हफ्ते में दो बार डीप कंडीशनिंग जरूर करें। इससे बालों में मॉयश्चर लॉक हो जाता है और बालों को गहराई से पोषण मिलता है। इससे बालों में कलर मॉटेन रहता है। हेयर कलर के बाद कम से कम तीन दिन तक बालों को नहीं धोएं, वरना आपका हेयर कलर फीका पड़ सकता है। हेयर कलर को सबसे अधिक नुकसान गर्म पानी पहुंचाता है। इसलिए हमेशा बालों को नॉर्मल पानी और सर्दियों में गुनगुने पानी से धोएं। (हेयर एक्सपर्ट सुमन सचदेव से बातचीत पर आधारित)

कल गणेश चतुर्थी है। कल से ही आरंभ होगा गणेशोत्सव। वैसे तो आपके घर के आस-पास सार्वजनिक स्थलों पर सामूहिक रूप से गणेश पूजन का आयोजन किया ही जाएगा। लेकिन अगर आप अपने घर में गणपति को प्रतिष्ठित कर पूजन करना चाहती हैं तो यहां हम आपको इसकी विधि बता रहे हैं।

रिद्धि-सिद्धि सहिताय श्री गणेशाय नमः

पूजन-विधि

आचार्य डॉ. गोविंद बल्लभ जोशी

नातन धर्म में हर तरह की पूजा-उपासना का प्रारंभ गणपति पूजन से होता है। इसीलिए गणेश जी को प्रथम पूज्य कहा गया है। गणपति, देवताओं के अध्यक्ष हैं। इसीलिए इन्हें 'गणाध्यक्ष' भी कहा जाता है। प्रत्येक वर्ष भाद्रपद शुक्ल चतुर्थी से शुक्ल चतुर्दशी पर्यंत, द्वादश दिवसीय पूजा-अर्चना को वार्षिकोत्सव के रूप में मनाया जाता है। ऐसे आरंभ हुआ देशव्यापी आयोजन: गणेश चतुर्थी पर घर-घर में किए जाने वाले पूजन, वार्षिक गणेश उत्सव कैसे बना, इसके पीछे भी ऐतिहासिक घटना और ध्येय निहित रहा है। दरअसल, ब्रिटिश शासनकाल में अंग्रेजों की दासता से भारत माता को स्वतंत्र करने का संकल्प लेते हुए लोकमान्य बालगंगाधर तिलक ने गणाधिपति के पूजन को राष्ट्रोत्सव के रूप में प्रारंभ कर भारतीय जन समुदाय में राष्ट्रीय भावना और सांस्कृतिक चेतना का संचार किया था। आज यह उत्सव भारत ही नहीं विश्व के अनेक देशों में मनाया जाता है। ऐसे करें गणपति स्थापना-पूजन:



सार्वजनिक पार्कों और मंडपों में विधिवत गणेश पूजन, विविध उत्सव समितियों द्वारा तो आयोजित किया ही जाता है। लेकिन अनेक श्रद्धालु अपने घर में भी गणपति को स्थापित कर यह उत्सव मनाते हैं। ऐसे में किस विधि से उनका पूजन करें, आप जरूर जानना चाहेंगी। वस्तुतः गणेश जी की पूजन विधि सर्वत्र एक समान ही होती है। इसके लिए सर्वप्रथम श्रद्धापूर्वक अपने पूजा स्थान पर गणपति की चौकी तैयार कर उसे लाल वस्त्र से आच्छादित कर लें। अब उस पर कलशा स्थापित कर श्रीगणेश विग्रह (प्रतिमा) को प्रतिष्ठित करें। हाथ में रोली, चंदन, अक्षत, लाल पुष्प और दुर्वा लेकर उनका आह्वान एवं ध्यान करें। 'रिद्धि-सिद्धि सहिताय श्रीगणेशाय नमः' का जाप करते हुए गणेशजी को अर्पित करें। इसके बाद आचमनी पात्र (चम्मच) में जल लेकर पादं, अर्ध, आचमनीयं, स्नानीयम का उच्चारण करते हुए गणेश जी की प्रतिमा पर अर्पित करें। तत्पश्चात् गणपति विग्रह को पंचामृत से स्नान कराएं। फिर एक आचमनी जल चढ़ाएं। उसके बाद उनको वस्त्र पहनाएं। इस यज्ञोपवीत (जनेक) अर्पित करें। फिर गणपतिजी को तिलक करें, अक्षत चढ़ाएं और दुर्वा के बारह तिनके चढ़ाएं। इसके पश्चात् धूप, दीप प्रज्वलित करें। इसके बाद गणपति को नैवेद्य (प्रसाद) भोग लगाएं। गणेश जी का सबसे प्रिय भोग मोदक है, अतः दस मोदक (लड्डू) उन्हें अर्पित करें। इसके बाद पान, सुपारी, लौंग, इलायची, फल, दक्षिणा चढ़ाएं। इसके पश्चात् हाथ में पुष्प, अक्षत, रोली, दुर्वा लेकर उनके द्वादश नामों का उच्चारण करें। इस प्रकार स्तुति करते हुए गंधाक्षत, पुष्प और दुर्वा गणपति को अर्पित कर दें। फिर 'ऊँ गणपतये नमः' मंत्र का द्वादश (12) बार जाप करें। फिर आरती, पुष्पांजलि के बाद भजन, कीर्तन से उत्सव मनाते रहें। इस प्रकार की गई गणपति की पूजा अर्चना फलदायी होती है।

गणपति के द्वादश नाम-मंत्र

- ऊँ सुमुखाय नमः, ऊँ एकदंताय नमः
- ऊँ कपिलाय नमः, ऊँ गजकर्णकाय नमः
- ऊँ लंबोदराय नमः, ऊँ विकटाय नमः
- ऊँ विघ्नाशकाय नमः, ऊँ विनायकाय नमः
- ऊँ धूम्रकेतवे नमः, ऊँ गणाध्यक्षाय नमः
- ऊँ भालचंद्राय नमः, ऊँ गजाननाय नमः



रेसिपी

श्रुति आर्यंगर

गणपति को अर्पित करें तरह-तरह के मोदक

अमृत मोदक



सामग्री

चावल का आटा-1 कप, उबली चना दाल-1/2 कप, कसा हुआ गुड़-1/4 कप, इलायची पावडर-1/2 छोटा चम्मच, केसर रेशे-1/2 छोटा चम्मच, पिंसी हल्दी-चुटकी भर, कटे हुए मेवे-2 छोटे चम्मच, घी-1 बड़ा चम्मच, पानी-4 कप

विधि

सबसे पहले चना दाल को मेश कर लें। इसमें गुड़ मिलाकर पैन में कुछ देर पकाएं। फिर केसर, इलायची पावडर और मेवे मिलाकर 2-3 मिनट पकाकर ठंडा होने दें। एक पैन में पानी और घी डाल कर उबालें। इसमें चावल का आटा मिलाकर गाढ़ा होने तक पकाएं। थोड़ा ठंडा होने पर अच्छी तरह गुंथें। थोड़ा मिश्रण थथेली पर फैलाकर चना दाल की भरावन भरें और मोदक का आकार दें। सांचे की मदद से भी मोदक बना सकती हैं। इन मोदकों को 10-12 मिनट भाप में पकाने के बाद भोग लगाएं।



सामग्री

कंडेंसड मिल्क-400 ग्राम, मिल्क पावडर-240 ग्राम, घी-1/2 बड़ा चम्मच, रोज सिरप-1 बड़ा चम्मच, रेड फूड कलर-2-4 बूंद भरावन के लिए: गुलकंद-1 बड़ा चम्मच, कसा सूखा नारियल-1 बड़ा चम्मच

नारियल-गुलाब मोदक

विधि

सबसे पहले नॉन-स्टिक पैन में मिल्क पावडर, कंडेंसड मिल्क, घी और रोज सिरप डालकर मिला लें। इसे बाउल में निकाल लें। एक अलग बाउल में भरावन की सारी सामग्री मिलाकर स्टर्फिंग बना लें। मिल्क पावडर वाले मिश्रण में से थोड़ा सा मिश्रण लेकर थथेली पर फैला लें, इसमें स्टर्फिंग भर कर मोदक का शेप दें। पांच मिनट के लिए फ्रिज में रखें।

खबर संक्षेप



सुरतामाई बड़वाली मंदिर में लगाया मंडारा

भिवानी। आईटीआई के सामने सुरतामाई बड़वाली मंदिर में मंडारे का आयोजन जितुनाथ महाराज के पवन सोमिथ्य में किया। आश्रम के सेवक ओमप्रकाश सभ्रवाल ठेकेदार, पवन कुमार, श्रीराम, कृष्ण, रविकांत, अरविंद, रमन, अरूण, आशीष, कलीराम, राजू बिजलीवाला, मुख्तयार सिंह आदि मौजूद रहे। इस मौके पर हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। इस अवसर पर भजन कीर्तन का आयोजन किया, जिसमें भजन गायक बलवीर दास महाराज, रणवीर सिंह प्रेमनगर, रामरति रोहतक, नीलम, लक्ष्मी, इमरती भिवानी, मंगलानंद महाराज चांग के शिष्य सतीश दास महम खेड़ी ने अपने सुंदर शब्दों में भजनों का गुणगान किया। आश्रम के सेवक ठेकेदार ओमप्रकाश सभ्रवाल ने बताया कि हर वर्ष मंदिर में कार्यक्रम का आयोजन किया जाता है।

बढ़ते अपराध व बेरोजगारी चिंता का विषय : वर्मा तोशाम।

जननायक जनता पार्टी के पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष कृष्ण वर्मा सुंगरपुर ने प्रदेश में लगातार बढ़ रहे अपराधों और बेरोजगारी की गंभीर समस्या पर गहरी चिंता व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि आज हरियाणा में आमजन असुरक्षा की भावना से जी रहा है। महिलाओं के साथ हो रहे अपराध और युवाओं में बढ़ती बेरोजगारी प्रदेश सरकार की विफल नीतियों को उजागर करती है। कृष्ण वर्मा ने कहा कि प्रदेशभर में अपराध के मामले दिन-प्रतिदिन बढ़ते जा रहे हैं। पुलिस प्रशासन पूरी तरह अक्षम नजर आ रहा है।

राजकुमार परमार के निधन पर जताया शोक

भिवानी। पूर्व ईटीओ सुरेंद्र परमार के भाई राजकुमार परमार का गत 19 अगस्त को निधन हो गया, वे करीब 73 वर्ष के थे। राजकुमार अपने सरल और मिलनसार स्वभाव के लिए जाने जाते थे। सोमवार को विभिन्न सामाजिक और राजनीतिक संगठनों के लोगों ने हाणी चांग में पहुंचकर परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की। इस अवसर पर दादरी से भाजपा विधायक सुनील सांगवान, पूर्व विधायक बाइदा रणवीर मंदौला, पूर्व विधायक धर्मपाल सांगवान, इनलो महिला प्रदेश प्रभारी सुनैना चौटाला, नगर परिषद चेयरपर्सन प्रतिनिधि भवानी प्रताप सिंह आदि ने शोक जताया।

प्रकाश पर्व धूमधाम से मनाया

भिवानी। गुरुद्वारा पुरानी देवसर चुंगी में संतत की ओर से श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी कर पहला प्रकाश पर्व बड़ी धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर सुखमनी साहिब पाठ के भोग डाले गए। इसके उपरांत गुरु का लंगर बर्तया गया। गुरुद्वारा सिंह सभा के मुख्यग्रंथि भाई सतनाम सिंह ने कीर्तन के माध्यम से श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी की शिक्षा पर चलने का संदेश दिया। उन्होंने बताया कि आज के दिन 1604 को पंचम पातशाह श्री गुरु अर्जुन देव जी महाराज ने आदि श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी का पहला प्रकाश श्री हरिमंदिर साहिब (स्वर्ण मंदिर) में करवाया।

मां की तरह करें प्रकृति एवं धरती का सम्मान

चरखी दादरी। अपनी जननी को सम्मान देना हम सभी के लिए गौरव की बात है, एक मां अपने बच्चे को जन्म देने के बाद उसका पालन पोषण करती है, उसे जीवन के तौर तरीके सिखाती है, इसलिए वो सम्मान के योग्य है। इसी तरह हमें अपनी मां की तरह ही प्रकृति एवं धरती मां का सम्मान करना चाहिए, क्योंकि ये मनुष्य, व जीव जंतुओं को जीने के लायक वातावरण देती हैं, ये बात गाव धिकाड़ा में हरियाणा सरपंच एसोसिएशन के पूर्व प्रधान सोमेश कुमार ने कही। वे एक पेड़ मां के अभियान के दौरान पौधरोपण कर रहे थे।

कार्यकर्ताओं और आम जनता के बीच मजबूत सेतु का काम कर रहे है कौशिक : बिडलान

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भिवानी
भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष वीरेंद्र कौशिक का उनके सम्मान में एक कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें उन्हें फूल-मालाएं पहनाकर और स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मानित किया गया। यह कार्यक्रम बावड़ी गेट स्थित भगवान वाल्मीकि आश्रम में आयोजित हुआ। कार्यक्रम के आयोजक अधिवक्ता अशोक बिडलान थे। उन्होंने भाजपा जिला अध्यक्ष वीरेंद्र कौशिक के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि उनके नेतृत्व में पार्टी ने जिले में महत्वपूर्ण प्रगति की है। उन्होंने वीरेंद्र कौशिक की कार्यशैली और समर्पण की प्रशंसा करते हुए कहा कि वे पार्टी कार्यकर्ताओं और आम जनता के बीच एक मजबूत सेतु का काम करते हैं। अधिवक्ता अशोक बिडलान ने कहा कि भाजपा सभी को साथ लेकर चलने वाली पार्टी है। जिसमें हर वर्ग को समान रूप से सम्मान व तवज्जो दी जाती है। इस अवसर पर वीरेंद्र कौशिक ने सभी आयोजकों और उपस्थित लोगों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि यह सम्मान उन्हें और अधिक मेहनत और लगन से काम करने के लिए प्रेरित करेगा।

तिगड़ाना में लगा श्रीदादी लाइन सती मंदिर का भव्य भादौ मेला



भिवानी। गांव तिगड़ाना में श्रीदादी लाइन सती मंदिर में पूजन करते श्रद्धालु।
भक्तों में भारी उत्साह देखने को भावनगर, भुवनेश्वर, दिल्ली, मिला, जिसमें कोलकाता, मुंबई, भिवाड़ी, रामामंडी, बरिंडा,

शहर में कहीं पर भी गंदगी नजर नहीं आनी चाहिए: उपायुक्त

स्वच्छता अभियान-2025 को लेकर डीसी ने सफाई व्यवस्था का जायजा लिया



भिवानी। शहर का निरीक्षण करते उपायुक्त व सड़क पर बिखरे कचरे को उठाकर डस्टबीन में डालते हुए।



फोटो: हरिभूमि

सफाई व्यवस्था दुरुस्त करने के लिए अधिकारियों को अलग-अलग वार्डों की सौंपी जिम्मेदारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भिवानी

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के निर्देशानुसार शहरी क्षेत्र को गंदगी से मुक्त व स्वच्छ बनाने के लिए हरियाणा शहर स्वच्छता अभियान-2025 चलाया गया है, जो कि हरियाणा दिवस तक 11 सप्ताह चलेगा। इस अभियान को जन जागरण और आमजन को इससे जोड़ने के लिए 'हर मौहल्ला, हर गली, हर मकान- स्वच्छ हरियाणा की पहचान' का नारा दिया गया है। इस अभियान को लेकर उपायुक्त साहिल गुप्ता ने सोमवार को जहां एक तरफ डीएमसी गुलजार मलिक को साथ लेकर सर्कुलर रोड व शहर के विभिन्न क्षेत्रों में सफाई व्यवस्था का जायजा लिया। वहीं दूसरी ओर अधिकारियों को अलग-अलग वार्डों की जिम्मेदारी सौंपी। सफाई व्यवस्था का जायजा लेने के दौरान सब्जी मंडी क्षेत्र में अधिकारियों को निर्देश देते हुए उपायुक्त गुप्ता ने कहा कि उनको इस बात से कोई मतलब नहीं है कि गंदगी कौन और किस टाइम डालता

करने और सफाई व्यवस्था दुरुस्त करने के लिए जिम्मेदारी सौंपी है। सीईओ जिला परिषद अजय चोपड़ा को वार्ड नंबर 1, 2 व 3, तोशाम के एसडीएम रवि मीणा को वार्ड नंबर 4, 5 व 6, भिवानी के एसडीएम महेश कुमार को वार्ड नंबर 7, 8 व 9, सिवानी की एसडीएम विजया मलिक को वार्ड नंबर 10, 11 व 12, सीटीएम अनिल कुमार को वार्ड 13 14 व 15, सिविल सर्जन रघुवीर शांडिल्य को वार्ड नंबर 16, 17 व 18, हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण के इंजीनियर को वार्ड 19, 20 व 21 तथा जेई पंजक को वार्ड 22 व 23, जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के अधीक्षक अभियंता सुनील कुमार को वार्ड 24 व 25, डीएम हैफेड पुनीत पंघाल

है, लेकिन गंदगी नजर नहीं आनी चाहिए। उन्होंने कहा कि यह समझना अभियान केवल 11 सप्ताह का नहीं है बल्कि इसके नियमित रूप से जारी रखना है। उन्होंने शहरी स्थानीय निकाय विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि कूड़े और कचरे का उठान साथ-साथ होना चाहिए ताकि आवारा पशु गंदगी मुंह ना मारे। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि शहर साफ सुथरा और गांधी से मुक्त नजर आना चाहिए।

इन्हें सौंपी जिम्मेदारी

हरियाणा शहर स्वच्छता अभियान के तहत डीसी ने अधिकारियों को अलग-अलग वार्डों का निरीक्षण

विभिन्न प्रमुख विभागों की रहेगी मुख्य भागीदारी

शहरी स्थानीय निकाय विभाग के तत्वावधान में चलाए जाने वाले शहर स्वच्छ अभियान में विभिन्न प्रकार की गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। इनमें मुख्य रूप से स्वास्थ्य विभाग, शिक्षा विभाग, पीडब्ल्यूडी विभाग, परिवहन विभाग, वन विभाग, पुलिस विभाग के अलावा रजिस्टर्ड टेलफेयर एसोसिएशन, गैर सरकारी संस्थाएं, मार्केट एसोसिएशन, सफाई मित्र, स्टैंक होल्डर आदि शामिल हैं।
अनेक प्रकार की गतिविधियां से होगा शहर स्वच्छ
स्वच्छता अभियान के तहत सरकारी/निजी कार्यालयों में सफाई अभियान चलाया जाएगा। सड़कों व गलियों में साफ-सफाई के अलावा गलियों, बरतों, गड्ढों, स्ट्रीट लाइटों की मरम्मत की जाएगी। उपयुक्त जगहों पर पौधरोपण किया जाएगा। जलसंरक्षण के लिए प्राकृतिक जल स्रोतों का रख-रखाव किया जाएगा। विद्यार्थियों में स्वच्छता को लेकर विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएगी। आवारा पशुओं को पकड़ने का अभियान चलाया जाएगा। लोगों को पॉलिथीन का प्रयोग नहीं करने के बारे में जागरूक किया जाएगा।

हुडा कॉलोनी के रोड के हालात बिगड़े, निकलने को नहीं है रास्ता

टीपक कुमार डुमड़ा ▶▶ **भवानीखेड़ा**

सड़कों ने बिगाड़ दिया घर का नवशा: राजेश

डॉ. राजेश कुमार ठकुराल की मानें तो हालिया नागरिक अस्पताल से लेकर तहसील कार्यालय तक मार्ग का निर्माण किया जा रहा है और सभी वाहन जिसमें टुक, बस, डफर आदि कि वाहन चालक हुडा की सड़कों से लेकर आवागमन कर रहे हैं। सड़कें धीमी वाहन चलाने योग्य भी नहीं हैं लेकिन वाहन चालकों द्वारा अपने वाहनों की रफ्तार को इतना तेज किया जाता है कि उनके आशियानों की दिवारें भी हिलने लगती हैं।

बजट आते ही होगा सुधार: मनीष शंकर

समाजसेवी एवं सामाजिक संस्था से जुड़े मनीष शंकर की मानें तो वे स्वयं इसी कॉलोनी में रहते हैं वे मानते हैं कि कॉलोनी में बहुत कमियां हैं। लेकिन नया चेयरमैन ने अपना कार्यभार संभालकर पूरा विकास का खाका तैयार किया हुआ है। बजट आते ही हुडा कॉलोनी में सड़कों, नालियों, सोवरेज, डिजली-पानी, सफाई व्यवस्था, पार्कों का नवीनीकरण सहित पूरे शहर के विकास पर बल दिया जाएगा।

हुडा रोड, रेलवे रोड की किसी ने नहीं ली सुध : ओमप्रकाश

एडवोकेट ओमप्रकाश बुवाणीवाला ने बताया कि रेलवे रोड बीती योजना में बनाकर अंधर में छोड़ दिया पहले आगंतुज अपनी मंजिल तक पहुंच जाया करते थे लेकिन अब ये इतना उबड़खाड़ बनाकर छोड़ दिया है कि लोगों ने इस तरफ आना ही बंद कर दिया वहीं हुडा कॉलोनी की सड़कें बढहाली पर आंसू बहा रही हैं।

विभाग बिना योजना के कार्य कर रहा है: जैन

कालोनीवासी ललित जैन की मानें तो शुक्रवार को 24 चक्का डफर हुडा कॉलोनी के सीवरेज में पहिया धस गया जिससे वाहनों की कतारें लग गई। लगता है विभाग बिना योजना के कार्य कर रहा है। सबसे पहले बाढ़पास का मार्ग शुरू करके इस मार्ग का कार्य चालू करना चाहिए था। क्योंकि हालिया बने वाला मार्ग ऊंचा बन रहा है और हुडा कॉलोनी की सड़कें नीची हैं और कंडम हैं। जिससे कोई बड़ा हादसा हो सकता है।

बाबूजी ठीक कहते थे नाटक के मंचन ने खूब वाहवाही बटोरी

मेघदूत थिएटर ग्रुप भिवानी ने वडोदरा राष्ट्रीय नाट्य महोत्सव में दी दमदार प्रस्तुति

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भिवानी
पारूल यूनिवर्सिटी वडोदरा में 19 से 22 अगस्त तक आयोजित चार दिवसीय वडोदरा राष्ट्रीय नाट्य महोत्सव में भिवानी के मेघदूत थिएटर ग्रुप ने नाटक बाबूजी ठीक कहते थे की दमदार प्रस्तुति हुई। नाट्य उत्सव में रंगमंच प्रेमियों ने दिग्गज कलाकारों की यादगार प्रस्तुतियां देखीं। महोत्सव में मशहूर अभिनेता राकेश बेदी का लोकप्रिय नाटक "मसाज", वरिष्ठ कलाकार हिमानी शिवपुरी व राजेंद्र गुप्ता अभिनीत "जीना इसी का नाम है" तथा अभिनेता-निर्देशक मनोज जोशी द्वारा प्रस्तुत "चाणक्य" का 1732वां शो



का मंचन किया। यह जानकारी मेघदूत थिएटर ग्रुप के अध्यक्ष राजू पण्डित व सचिव प्रोफेसर डॉ. हरिकेश पंघाल ने दी।

पारूल यूनिवर्सिटी वडोदरा में नाटक बाबूजी ठीक कहते थे की प्रस्तुति देते मेघदूत थिएटर ग्रुप भिवानी के कलाकार।
भारद्वाज और संगीत एवं प्रकाश व्यवस्था यश केजरीवाल ने की। कलाकार अनिल बजाज, पूजा बजाज, सुरज व मधुर वशिष्ठ ने दमदार अभिनय से दर्शकों को भावविभोर कर दिया। डॉ. हरिकेश ने बताया कि नाटक लेखक कांतानाथ की कहानी "संक्रमण" पर आधारित है, जिसमें तीन पीढ़ियों के दृष्टिकोण को दर्शाया गया। कथा का मूल संदेश मतभेद मिट जाने और विचारों का संक्रमण एक पीढ़ी से दूसरी में अवश्य होने को दर्शाया गया। नाट्य महोत्सव ने वडोदरा को कला एवं संस्कृति की एक सशक्त झलक दी तथा दर्शकों को यादगार अनुभव प्रदान किया।
दर्शकों की खूब वाहवाही बटोरी। नाटक "बाबूजी ठीक कहते थे" का निर्देशन कोशल भारद्वाज ने किया। मंच सजा व मेकअप योगमाया

भाजपा मंडल कार्यकारिणी की बैठक में योजनाओं पर किया विचार-विमर्श

हरिभूमि न्यूज ▶▶ तोशाम
विभिन्न विषयों को लेकर भारतीय जनता पार्टी मंडल कार्यकारिणी की सोमवार को तोशाम के पंचायत घर में बैठक आयोजित हुई। इस दौरान पार्टी द्वारा चलाए गए अभियानों व आगे की योजनाओं के बारे में पार्टी पदाधिकारियों ने पार्टी में किए जा रहे कार्यों को विस्तार से बताया। बैठक के दौरान मंडल की रिपोर्ट को मंडल अध्यक्ष विक्की महता ने विस्तार से बताया। इस दौरान भाजपा जिलाध्यक्ष वीरेंद्र कौशिक, पूर्व जिलाध्यक्ष नन्दराम धानियाँ, मीना परमार, रविन्द्र बापोडा ने भी बतौर मुख्य वक्ता कार्यकर्ताओं को सम्बोधित किया। इस मौके पर तोशाम मंडल प्रभारी राजपाल कड़वासा, मंडल महामंत्री शैकी पोपली, मंडल महामंत्री राधेश्याम, मंडल उपाध्यक्ष विजय तंवर, युवा मोर्चा अध्यक्ष भुवनेश महाता, पवन सैनी, हरचन्द भुरटाला, राजवीर सिंहमार व महिला मोर्चा की टीम भी उपस्थित रही।

खबर संक्षेप

सांसद किरण चौधरी आज तोशाम में आएंगी

तोशाम। राज्यसभा सांसद किरण चौधरी 26 अगस्त मंगलवार को तोशाम में दो कार्यक्रमों में शिरकत करेंगी। जानकारी के अनुसार राज्य सभा सांसद मंगलवार को सुबह 11:00 बजे गांव गोलागढ़ में स्वर्गीय चौधरी बंसीलाल की 99वीं जयंती समारोह में शिरकत करेंगी। जबकि दोपहर बाद 2:30 बजे तोशाम के पंचायत घर में व्यापार मंडल द्वारा आयोजित बैठक को संबोधित करेंगी।

बहल में रक्तदान शिविर का किया आयोजन

बहल। ब्रह्माकुमारीज ईश्वरीय विश्वविद्यालय की मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी प्रकाशमणी के 18 वें स्मृति दिवस पर रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में 20 रक्तदाताओं ने रक्तदान किया। कार्यक्रम में अतिथियों ने कहा कि रक्तदान जैसा पुण्य कार्य कोई नहीं है जो किसी जरूरतमंद की जान बचाने में सहायक होता है। रिविवा को आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ केन्द्र संचालिका बीके शकुंतला, सरपंच साधुराम पनिहार, पूर्व सरपंच गजानंद अग्रवाल, पूर्व चयरमैन सुशील केडिया सहित अन्य लोगों ने किया।

स्वतंत्रता सेनानी श्योराम की पुण्यतिथि पर पौधे लगाए

बहल। दूसरे विश्व युद्ध के दौरान अपना अदम्य साहस दिखाने वाले चैहड़ कलां निवासी स्वतंत्रता सेनानी स्व. श्योराम हवलदार की 33वीं पुण्यतिथि पौधारोपण कर मनाई गई। उपस्थितजनों ने युद्ध के दौरान उनके पराक्रम व उनकी वीरता को याद कर उनको पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी और कहा कि ऐसे मातृभूमि के दीवानों की बंदोस्त ही आजादी हासिल हो सकती। उनके परिजनों के अलावा बड़ी संख्या में ग्रामीण गांव में बने उनके स्मारक स्थल पर पहुंचे।

स्मरण शक्ति बढ़ाता है प्राणायाम : कौशिक बवानीखेड़ा।

व्यायामशास्त्रा सज्जनपुर (दुर्जनपुर) के अंतर्गत आयुष्य योग सहायक गजानंद कौशिक ने राजकीय उच्च विद्यालय प्रांगण में बच्चों को आसन, प्राणायाम करवाए व योग के लाभ के बारे में बताया। उन्होंने बताया कि नियमित प्राणायाम, अनुलोम विलोम प्राणायाम करना हमारी बौद्धिक क्षमता को बढ़ाने के साथ साथ मानसिक स्वास्थ्य में वृद्धि करना, हमारी स्मृति को प्रबल करना, विवेक पूर्ण जीवन व्यतीत करने में सहायक होता है।

लड़कियों की दो दिवसीय जिला स्तरीय खेल प्रतियोगिताएं शुरू

बेटियों को मजबूत और आत्मनिर्भर भी बनाती है खेल प्रतियोगिताएं : दहिया



अंडर-17 आयु वर्ग की कबड्डी में बवानीखेड़ा की टीम रही प्रथम

हरिभूमि न्यूज ►►मिवानी

भीम स्टेडियम में करवाई जा रही चार दिवसीय लड़के व लड़कों की वर्ग की अंडर-17 और 19 आयु वर्ग की जिला स्तरीय खेल प्रतियोगिताओं के तहत सोमवार को लड़कियों की दो दिवसीय प्रतियोगिताओं का हुआ शुभारंभ। प्रतियोगिता में कबड्डी, वॉलीबॉल, खो-खो, हाँकी,

मिवानी। प्रतियोगिता में लंबी छलांग लगाते हुए व प्रतियोगिता में विजेता प्रतिभागियों के साथ अधिकारी।

बैडमिंटन, मुक्केबाजी, कुश्ती, तीरंदाजी और शूटिंग जैसे 28 विभिन्न इवेंट्स में एक हजार से अधिक युवा खिलाड़ी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर रही है प्रदर्शन। मिवानी की जिला शिक्षा अधिकारी निर्मल दहिया ने बतौर मुख्यअतिथि प्रतियोगिता में शिरकत की तथा उप जिला शिक्षा अधिकारी शिव कुमार तंवर, ईईओ श्रीभगवान विशिष्ट अतिथि के तौर पर पहुंचे। वहीं कबड्डी में उप जिला शिक्षा अधिकारी शिव कुमार तंवर, संजय कबड्डी कोच, मनजीत दांडा बीएसएफ हेंडबॉल कोच, दिलबाग

ये रहे मौजूद

प्रतियोगिता में कवंचीकर की मूमिका में कोच सत्यवान, जोगेंद्र, राजेश्वर, अनिल सांगवान, प्रदीप श्रीपाल, सुधीर मलिक, राजेश सिवाव, सतेंद्र, पवन फोगाट, लाजपत, सतपाल, सोमदत्त, अजीत, जयवीर, सुशील, जगबीर, बबीता, मनोज, बलवान, जगदीश चंद, सुखदेव, मदन गोपाल, अमित, अरविंद, विनोद, सुनील, गजानंद रहे। इस अवसर पर सत्यवान कोच, सुभाष बापोड़ा व अन्य पाटीआई, डीपीई व शारीरिक शिक्षक मौजूद रहे।

हेंडबॉल कोच व हरियाणा शारीरिक शिक्षक एसोसिएशन के जिला प्रधान कुलदीप महला, सत्यवान कोच व सुभाष शर्मा ने खिलाड़ियों का परिचय लिया। प्रतियोगिता के बारे में जानकारी देते हुए हरियाणा शारीरिक शिक्षक एसोसिएशन के जिला प्रधान

प्रतियोगिता का महत्व

इस मौके पर अतिथियों ने कहा कि जिला स्तरीय लड़कियों की खेल प्रतियोगिता का बहुत महत्व है। यह ना केवल लड़कियों को शारीरिक रूप से मजबूत बनाती है, बल्कि उनके समग्र विकास में भी मदद करती है। उन्होंने कहा कि खेल प्रतियोगिताएं लड़कियों को सशक्त बनाने का एक बेहतरीन तरीका है। यह उन्हें सिर्फ एक खिलाड़ी ही नहीं, बल्कि एक मजबूत और आत्मनिर्भर इंसान भी बनाती है। अंडर-19 में बवानीखेड़ा प्रथम व लोहानी द्वितीय रही। वहीं बॉलीबॉल में टायल बेस पर खिलाड़ियों का प्रदेश स्तरीय प्रतियोगिता के लिए चयन किया गया।



चरखी दादरी। खिलाड़ियों का परिचय करवाते अतिथि। फोटो: हरिभूमि

जिला स्तरीय प्रतियोगिताओं में खिलाड़ियों ने दिखाई प्रतिभा

हरिभूमि न्यूज ►►चरखी दादरी

■ प्रथम रहने वाले खिलाड़ी आगामी राज्य स्तरीय स्पर्धा में भाग लेंगे

रावलधी बाईपास निकट स्थित शहीद भगत सिंह स्पोर्ट्स एकेडमी परिसर में दो दिवसीय जिला स्तरीय कराटे, जुडो व ताईक्वांडो का आयोजन किया, जिसमें दादरी जिले के अलग अलग स्थानों से 150 खिलाड़ियों ने भाग लिया। प्रतियोगिता का शुभारंभ ईईओ सुनील सांगवान ने खिलाड़ियों को आशीर्वाद देकर किया। कोच राजेश तक्षक ने बताया कि पहले दिन लड़कों के बीच मैच खेले गए। प्रतियोगिता में अपने वर्ग में बच्चे प्रथम रहने वाले खिलाड़ी आगामी राज्य स्तरीय स्पर्धा में भाग लेंगे। उन्होंने बताया कि अंडर 14 आयुवर्ग के 25 केजी में हर्ष, 30 केजी में शेखर, माईनस 35 केजी में

योगित, माईनस 40 केजी में गवित आरपीएस स्कूल, माईनस 45 केजी में अंश आरपीएस स्कूल, माईनस 50 में अंश सांगवान, माईनस 55 में हितेन, माईनस 60 में केशव, प्लस 90 में कार्तिक सांगवान प्रथम रहे। वहीं अंडर 17 आयुवर्ग ब्याजज में माईनस 35 में बादल जीआरवी स्कूल, माईनस 40 में शुभम गर्वमेंट स्कूल, माईनस 45 में रूपेश सर्वोदय स्कूल, माईनस 50 में नवनीत आर्यनस स्कूल, माईनस 54 में पंकित, माईनस 58 में लक्की भारत स्कूल, माईनस 62 में यशेश, माईनस 66 में हिमांशु वैश्य स्कूल, माईनस 82 में वरुण आरईडी स्कूल, प्लस 82 में शिवांशु डीपीएस स्कूल, चयनित हुए।



जिला स्तरीय योग प्रतियोगिता में माधव ने जीता प्रथम स्थान

मिवानी। मिवानी पब्लिक स्कूल के कक्षा बारहवीं के छात्र माधव ने अपनी कड़ी मेहनत एवं समर्पण के बल पर योगसन प्रतियोगिताओं में उपलब्धियां हासिल की हैं। माधव ने जिला स्तरीय योग प्रतियोगिताओं में दोनों जगह द्वितीय स्थान प्राप्त कर विद्यालय का नाम रोशन किया है, जो मेलाथन आश्रम लोहा गांव व हनुमान जोहड़ी धाम में आयोजित की गई थी। इन प्रतियोगिताओं में लगभग 100 छात्रों ने भाग लिया था। इसके अलावा माधव ने हरियाणा स्कूल जिला स्तरीय योगसन प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया है, जो उसकी प्रतिभा एवं समर्पण को दर्शाता है। निदेशिका आशा पाहुजा ने विद्यार्थी को उसकी उपलब्धि पर हार्दिक बधाई दी है और उसके उज्वल भविष्य की कामना की है। विद्यालय का मानना है कि माधव की उपलब्धि अन्य छात्रों के लिए भी प्रेरणास्रोत बनेगी। विद्यालय प्रशासन अब माधव को राज्य स्तर की प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित कर रहा है, ताकि वह अपने कौशल को और भी निखार सकें और विद्यालय का नाम रोशन कर सकें। इस अवसर पर सचिव पुलकित पाहुजा, प्राचार्य आरके चांदना, हेडमिस्ट्रेस पूनम गर्ग आदि उपस्थित रहें।



राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में सरस्वती बाल मंदिर के 5 खिलाड़ियों का चयन

चरखी दादरी। गांव अटोलाकलां स्थित सरस्वती बाल मंदिर वना विद्यालय के खिलाड़ी लगातार अपने खेल के जरिए क्षेत्र का नाम रोशन कर रहे हैं। हाल ही में जिला स्तरीय योगसन प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन के उपरांत अलग अलग वर्ग में विद्यालय के पांच खिलाड़ियों ने अपना चयन राज्य स्तरीय स्पर्धा के लिए सुनिश्चित किया है। विद्यालय परिसर में होनहारों को सम्मानित किया, उनके उज्वल भविष्य की कामना की। विद्यालय परिसर में आयोजित सम्मान समारोह की अध्यक्षता विद्यालय निदेशक जगदीश सांगवान ने की। उन्होंने सभी विजयी खिलाड़ियों व उनके कोच सुनील छपारिया को बधाई दी। निदेशक ने बताया कि दादरी के आर्य संस्कृत महाविद्यालय में जिला स्तरीय स्कूली खेलों में विद्यालय के बच्चों ने योगसन में शानदार प्रदर्शन किया है और पांच खिलाड़ियों का राज्य स्तर के लिए चयन भी हुआ। उन्होंने बताया कि अंडर 11 में चयनित हुए योगसन में लड़कों में शिवम ने प्रथम, वंश ने द्वितीय, विहन ने तृतीय, कविश ने चतुर्थ, तनुज ने पांचवा स्थान हासिल किया। समारोह के दौरान प्राचार्य योगेश सांगवान, उपप्राचार्य मुकेश कुमारी, प्रबंध समिति सदस्य मास्टर भूपसिंह आदि ने खिलाड़ियों, अभिभावकों व अध्यापकों को बधाई दी।

मुक्केबाज जीविका ने जीता सोना

■ उत्तर प्रदेश के नोएडा में चौथी सब जूनियर नेशनल बॉक्सिंग चैंपियनशिप का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ►►मिवानी

उत्तर प्रदेश के नोएडा में बीते दिनों संपन्न हुई चौथी सब जूनियर नेशनल बॉक्सिंग चैंपियनशिप में अजीत बाक्सिंग क्लब के मुक्केबाजों ने स्वर्ण व कांस्य पदक जीतकर प्रदेश व जिले का नाम रोशन किया है। कोच नवीन बल्लार फ्रूटी ने बताया कि 64 किलोग्राम भारवर्ग में जीविका शेखावत ने स्वर्ण पदक व 49 किलोग्राम में यश ने कांस्य पदक प्राप्त किया है। मुक्केबाज यश वर्तमान में साई प्रशिक्षण केंद्र में मुक्केबाजी का अभ्यास कर रहा है। दोनों खिलाड़ियों को उपलब्धि पर अजीत बाक्सिंग क्लब के प्रधान सुरेंद्र सिवाच बंडु ने खुशी जताई। महाराणा प्रताप कालोनी में



मिवानी। अजीत बाक्सिंग क्लब की मुक्केबाज जीविका को सम्मानित करते खेलप्रेमी।

मुक्केबाज जीविका शेखावत के आवास पर सम्मान समारोह का आयोजन किया। जीविका के पिता नीटू शेखावत ने दोनों खिलाड़ियों के उज्वल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर कांग्रेस शहरी के जिलाध्यक्ष प्रदीप गुलिया, युवा कांग्रेस नेता धीरज सिंह, मनजीत अहलावाल, राहुल राणा, शक्ति निवाण, अर्जुन बैनवाल, शेरसिंह ग्रेवाल, सरपंच

आशीष बैनीवाल, पूर्व पार्षद संदीप भारद्वाज, बंटी राजपूत, विकास पंचाल, डॉ. मनफूल ग्रेवाल, कर्णसिंह तंवर, लीला निखान अंतरराष्ट्रीय कबड्डी खिलाड़ी सोमबीर सिवाच, सतीश सिवाच, मिवानी बाक्सिंग सचिव शशिकांत, भुपेन्द्र ग्रेवाल, अंतरराष्ट्रीय मुक्केबाज प्रवीन लीला आदि खिलाड़ियों व खेलप्रेमियों ने पदक विजेताओं का अभिनंदन किया।

गौरव वशिष्ठ का विज्ञान प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में राज्य स्तर पर चयन

मिवानी। हरियाणा स्टेट एड्स कंट्रोल सोसायटी के द्वारा जिला स्तरीय विज्ञान प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन मॉडल संस्कृति स्कूल, मिवानी में किया गया। प्रतियोगिता में 18 स्कूलों ने भाग लिया जिसमें के.एम.पब्लिक स्कूल की कक्षा न्यारहवीं के छात्र गौरव वशिष्ठ ने द्वितीय स्थान प्राप्त कर विद्यालय का नाम रोशन किया। छात्र को पुरस्कार स्वरूप प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया तथा एड्स नियंत्रण सोसायटी के द्वारा उसके बैंक खाते में 2100 रुपये जमा गए। छात्र का चयन राज्य स्तरीय विज्ञान प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता के लिए भी चयनित किया गया। विद्यालय प्रबंधन समिति अध्यक्ष मनीष सिंघानिया, सचिव राजेश मोडा, ट्रस्टी मयंक मोडा, समिति सदस्य जितेंद्र गोयल, प्रबंधक आनंद बासिया, प्राचार्य रेनु सैनी, उप-प्राचार्य नीलम गौतम, प्रबंधन समिति सदस्य अमिता शर्मा व सुनील शर्मा, गतिविधि प्रमारी सारिका पंडित, मंजु शर्मा ने विद्यार्थी को उसकी उपलब्धि पर बधाई दी।

मेधावी विद्यार्थियों को किया सम्मानित

■ सैनी कल्याण परिषद भविष्य में छात्रों के लिए कोचिंग का प्रबंध भी करेगी : भूपसिंह सैनी

हरिभूमि न्यूज ►►मिवानी

सैनी कल्याण परिषद द्वारा समाज के बच्चों की प्रतिभा को पहचान कर उन्हें भविष्य में होने वाली प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करवाने को छात्रवृत्ति देने और शिक्षाविद् राजकुमार सैनी के मार्गदर्शन में विशेष अभियान के तहत कक्षा छठी से स्नातकोत्तर तक के विद्यार्थियों के लिए प्रतिभा प्रोत्साहन एवं विकास परीक्षा का आयोजन किया जा रहा है। परिषद के प्रधान भूपसिंह सैनी ने बताया कि संस्था का उद्देश्य समाज में होनहार युवाओं को प्रोत्साहित कर



मिवानी। मेधावी विद्यार्थियों को पुरस्कृत करते अतिथि। फोटो: हरिभूमि

उन्हें आईएएस, आईपीएस तथा अन्य उच्च पदों की श्रेणी में लाना है। उन्होंने कहा कि होनहार युवाओं के लिए सैनी कल्याण परिषद भविष्य में

कोचिंग का प्रबंध भी करेगी। किसी भी छात्र को शिक्षा प्राप्त में किसी प्रकार की परेशानी होगी, उसका समाधान संस्था द्वारा किया जाएगा।

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर मिवानी परीक्षा केन्द्र का प्रभारी शिक्षाविद् राजकुमार सैनी, प्रधान भूपसिंह सैनी, प्रिंसिपल वंदना सैनी, लेक्चरर बबीता सैनी, रेणुखाला एडवोकेट, राधेश्याम सैनी ठेकेदार, इश्वर सैनी नायब तहसीलदार, इजीनियर अमिषेक सैनी रहे तथा नीरंगबाबु सेंटर के प्रभारी मास्टर पूरवी सैनी, कृष्ण सैनी, सुभाष सैनी, हवासिंह सैनी व बवानीखेड़ा के मास्टर सुरेन्द्र सैनी, नवीन सैनी, रमेश सैनी दाणा रोड, दाणी खुशहाल सेंटर के प्रभारी मास्टर मनोज सैनी, जगदीशचंद्र सैनी, सुरजीत सैनी, सुनील सैनी व फूलसिंह सैनी रहे।

यह परीक्षा पूरे जिले में कक्षा छठी से लेकर एमए तक के विद्यार्थियों के लिए आठ परीक्षा केंद्रों पर आयोजित की गई।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि, शॉप नं. 47, इन्फोवर्मेंट ट्रेड मार्केट, मिवानी
फोन नं. : 9253681005, 8295157800

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है आत्मा पथ प्रदर्शक है।
हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन **हरिभूमि** के माध्यम से
साईज संस्करण विशेष छूट राशि
5 X 8 से.मी स्थानीय संस्करण के 10 X 8 से.मी अन्दर के पृष्ठ पर
रु. 2000/- छ. 2500/-
+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कोई रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
मिवानी : हरिभूमि, शॉप नं. 47, इन्फोवर्मेंट ट्रेड मार्केट, मिवानी
फोन : 8814999170, लाहौरी : 9253681008

बहल में जमकर हुई बारिश के चलते कच्चा जलमग्न, लोग परेशान

बाजरे के दाने होने लगे अंकुरित, कपास तबाह

■ पानी की सही निकासी नहीं होने से बारिश का पानी लोगों के घरों और दुकानों में जा चुसा

हरिभूमि न्यूज ►►बहल

रविवार के बाद सोमवार को भी बहल क्षेत्र में मेधा जमकर बरसे। करीब आधा घंटा तक हुई मूसलाधार बारिश से कच्चे में सब पानी पानी हो गया। पानी की सही निकासी नहीं होने से बारिश का पानी लोगों के घरों, दुकानों तक जा पहुंचा। बारिश इतनी तेज थी कि मैंन रोड किनारे खड़े वाहन व रेहडियां पानी में डूबती नजर आई। दूसरी तरफ लगातार तीन चार दिनों से कभी हलकी व कभी तेज बारिश से खरीफ की फसलें भी चौपट होने लगी है। अब हालत ये बने है कपास तो पूरी तरह से जलने लगी है। वहां बाजरे के पौधों पर लगी सिटियों में भी दाने अंकुरित होने लगे



बहल। तेज बारिश के बाद कच्चे में जमा पानी व बाजरे की सीटियों में अंकुरित हुए दाने।

हलगाय व सड़कें जलमग्न शनिवार को कभी कम, कभी ज्यादा पूरे दिन बारिश होती रही। रात को भी करीब दस बजे तक बारिश जारी रही। रविवार सुबह से मौसम में बदलाव रहा जो दोपहर बाद एकाएक बारिश शुरू हो गई। करीब आधा घंटा तक मूसलाधार बारिश हुई जिससे गलियां व सड़कें जलमग्न हो गईं। श्याम मग्न मार्ग, मानव कल्याण अस्पताल मार्ग, खंड विकास कार्यालय सहित अन्य जगहों पर कई फुट तक पानी जमा हो गया। इससे लोगों को आने जाने में भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। मैन रोड पर भी इतना पानी जमा हो गया कि सड़क किनारे लगी रेहडियां पानी में डूबती नजर आईं।

गलियां व सड़कें जलमग्न

हलगाय व सड़कें जलमग्न शनिवार को कभी कम, कभी ज्यादा पूरे दिन बारिश होती रही। रात को भी करीब दस बजे तक बारिश जारी रही। रविवार सुबह से मौसम में बदलाव रहा जो दोपहर बाद एकाएक बारिश शुरू हो गई। करीब आधा घंटा तक मूसलाधार बारिश हुई जिससे गलियां व सड़कें जलमग्न हो गईं। श्याम मग्न मार्ग, मानव कल्याण अस्पताल मार्ग, खंड विकास कार्यालय सहित अन्य जगहों पर कई फुट तक पानी जमा हो गया। इससे लोगों को आने जाने में भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। मैन रोड पर भी इतना पानी जमा हो गया कि सड़क किनारे लगी रेहडियां पानी में डूबती नजर आईं। अगर इस तरह से दाने अंकुरित होंगे तो उसकी गुणवत्ता तो घटती ही साथ में उसकी औसतन पैदावार में काफी कमी आएगी। बारिश से जहां आमजन को परेशानी हुई वहीं किसानों की चिंता बढ़ती जा रही है।

बरसात का पानी जमा होने से गाड़िया लोहार बस्ती हुई जलमग्न

बवानीखेड़ा। बवानी खेड़ा में रविवार को मूसलाधार बारिश होने के कारण जहां एक तरफ गाड़िया लोहार बस्ती डूब गई वहीं दुकानदारों की धड़कनें भी तेज हो गईं। सीवरज प्रणाली ने पिछले काफी समय से जवाब दिया हुआ है। गंदे नाले की निकासी के बनाए गए नालों में पानी जमा हो गया जो हिलता ही नहीं है। दुकानदारों में मुकेश कुमार, अशोक कुमार, श्याम, हरिसिंह, रमेश कुमार आदि ने बताया कि मूसलाधार बारिश होने के कारण गाड़िया लोहार बस्ती में भी पानी भरने से जहां ग्वार और कपास की फसल प्रभावित हुई है वहीं सबसे ज्यादा नुकसान बाजरे की फसल में हुआ है। बारिश से फसलों में नुकसान की संभावना बनती जा रही है। खेतों में पानी भरने से जहां ग्वार और कपास की फसल प्रभावित हुई है वहीं सबसे ज्यादा नुकसान बाजरे की फसल में हुआ है।